SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

मुझे उद्धार पाने के लिये क्या करना चाहिए? — भाग 2 · KJV पवित्रशास्त्र स्ट्रॉन्ग्स नंबर सहित

भाग 2 · प्रतिदिन बने रहना — चाल, आत्मा का कार्य, और तुम्हारी सन्तान के लिए प्रतिज्ञा

मुझे उद्धार पाने के लिये क्या करना चाहिए — नींव

उद्घाटन शब्द

बुनियाद ने उस महान प्रश्न का उत्तर दिया। एक व्यक्ति को विश्वास करना चाहिए, पश्चाताप करना चाहिए, बपतिस्मा लेना चाहिए, और पवित्र आत्मा का दान प्राप्त करना चाहिए। फिर उस व्यक्ति को बने रहना चाहिए, मसीह से जुड़े रहना चाहिए, और अंत तक धीरज धरना चाहिए। यह अध्ययन वहीं से आरंभ होता है जहां वह उत्तर समाप्त होता है। उद्धार परमेश्वर द्वारा किसी व्यक्ति को पाप और मृत्यु से बचाया जाना है। वह बचाव एक घड़ी में आरंभ होता है, परन्तु वह एक-एक दिन करके जिया जाता है। पहले विश्वासी सप्ताह में एक बार इकट्ठे नहीं होते थे। वे प्रतिदिन बने रहते थे। पवित्र आत्मा ने उनसे एक ही बार भेंट नहीं की। वह प्रतिदिन उनके साथ रहा, एक शिक्षक, एक मार्गदर्शक, और एक सहायक के रूप में। और यह प्रतिज्ञा उन्हीं तक सीमित नहीं रही। परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा उनसे, और उनकी संतान से, और उन सब से जो दूर थे, कही। यह अध्ययन उन तीन द्वारों को खोलता है। यह प्रतिदिन के चालचलन को दिखाता है। यह विश्वासी के भीतर पवित्र आत्मा के प्रतिदिन के कार्य को दिखाता है। यह उस प्रतिज्ञा को दिखाता है जो तुम्हारी संतान और तुम्हारे घराने तक पहुंचती है। हर पद को धीरे-धीरे पढ़ो। परमेश्वर का वचन भार वहन करता है, हमारे शब्द नहीं।

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. बपतिस्मा लेने के बाद पहले विश्वासी प्रतिदिन क्या करते थे?
2. पवित्र आत्मा एक विश्वासी के भीतर दिन-प्रतिदिन क्या करता है?
3. क्या परमेश्वर की प्रतिज्ञा तुम्हारे बालकों और तुम्हारे घराने तक पहुँचती है?

पहले से रखी गई नींव — मुझे उद्धार पाने के लिये क्या करना होगा?

नींव → उनके हृदय छिद गए → हे भाइयो, हम क्या करें?

नींव → मन फिराओ + पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लो → तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।

आधार → दृढ़ता से बने रहना + दाखलता में बने रहना + अंत तक धीरज धरना → वही उद्धार पाएगा।

खुलने वाला लंगर

प्रेरितों के काम 2:46 और वे प्रतिदिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर-घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सिधाई से भोजन किया करते थे। **[G4342 proskartereo ⚑]** (47) और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उनसे प्रसन्न थे; और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु

प्रतिदिन उनमें मिला देता था।

प्रतिदिन एक मन होकर लगे रहना + घर घर जाकर रोटी तोड़ना → प्रभु उद्धार पानेवालों को प्रतिदिन कलीसिया में मिलाता गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — स्थिर होकर उस एक शब्द को देखो जो इस वचन में बार-बार आता है। विश्वासी प्रतिदिन बने रहे, और प्रभु ने प्रतिदिन कलीसिया में जोड़ा। यह पूरा अध्ययन उसी एक शब्द के भीतर चलता है।)

I. प्रतिदिन बने रहना — प्रतिदिन का चाल-चलन

(मेरे व्यक्तिगत विचार — नींव ने सिखाया कि व्यक्ति को बने रहना चाहिए। पवित्रशास्त्र का उत्तर प्रतिदिन का है, सप्ताह में एक बार का नहीं। ध्यान दो कि पुस्तक में कितनी अलग-अलग आवाज़ें वही शब्द कहती हैं।)

अलग दृष्टिकोण, एक ही दृश्य — दो सुसमाचार, एक ही कथन, एक जोड़ा गया शब्द

A. मत्ती 16:24 तब यीशु ने अपने चेलों से कहा, “यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आपका इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले।

यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे → तो अपने आप का इन्कार करे + अपना क्रूस उठाए + और मेरे पीछे हो ले।

B. लूका 9:23 उसने सबसे कहा, “यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले।

अपने आप का इन्कार करे + प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए + मेरे पीछे हो ले।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — मत्ती लिखता है, "अपना क्रूस उठाए"। लूका लिखता है, "प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए"। वह जोड़ा गया एक शब्द क्रूस को चाल के हर दिन में रख देता है।)

C. विलापगीत 3:22 हम मिट नहीं गए; यह यहोवा की महाकरुणा का फल है, क्योंकि उसकी दया अमर है। (23) प्रति भोर वह नई होती रहती है; तेरी सच्चाई महान है।

उसकी दया कभी समाप्त नहीं होती → प्रति भोर नई होती है + तेरी सच्चाई महान है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — दया परमेश्वर की वह कृपा है जिसे हमने अर्जित नहीं किया। परमेश्वर हर सुबह अपनी दया को नया करता है। एक विश्वासी को चाल के हर दिन उस नई दया की आवश्यकता होती है।)

D. यशायाह 50:4 प्रभु यहोवा ने मुझे सीखनेवालों की जीभ दी है कि मैं थके हुए को अपने वचन के द्वारा सम्भालना जानूँ। भोर को वह नित मुझे जगाता और मेरा कान खोलता है कि मैं शिष्य के समान सुनूँ।

वह प्रति भोर को जगाता है → वह मेरे कान को जगाता है कि मैं सीखनेवालों की नाईं सुनूँ।

E. नीतिवचन 8:34 क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो मेरी सुनता, वरन् मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता, और मेरे द्वारों के खम्भों के पास दृष्टि लगाए रहता है। **[H8245 shaqad ⚑]**

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो मेरी सुनता → वरन् मेरी डेवढ़ी पर प्रतिदिन खड़ा रहता + और मेरे द्वारों के खम्भों के पास दृष्टि लगाए रहता है.

F. प्रेरितों के काम 17:11 ये लोग तो थिस्सलुनीके के यहूदियों से भले थे और उन्होंने बड़ी लालसा से वचन ग्रहण किया, और प्रतिदिन पवित्रशास्त्रों में ढूँढ़ते रहे कि ये बातें ऐसी ही हैं कि नहीं। **[G350 anakrino ⚑]**

बड़ी उत्सुकता से वचन ग्रहण किया + प्रतिदिन पवित्रशास्त्र में ढूंढ़ते रहे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भले श्रोताओं ने वचन को तत्पर मन से ग्रहण किया। फिर उन्होंने जो सुना उसे प्रतिदिन पवित्रशास्त्र से जाँचा। इस अध्ययन की हर पंक्ति को उसी तरह जाँचिए।)

G. मत्ती 6:9 “अतः तुम इस रीति से प्रार्थना किया करो: ‘हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में है; तेरा नाम पवित्र माना जाए। (लूका 11:2) (10) ‘तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो। (11) ‘हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे।

हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है → आज हमें हमारी दिन भर की रोटी दे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यीशु ने अपने अनुयायियों को एक-एक दिन करके रोटी माँगना सिखाया। यह प्रार्थना आज के दिन के लिए माँगती है, न कि पूरे भंडार के लिए। परमेश्वर चाल को उसी तरह पोषण देता है जैसे वह शरीर को पोषण देता है, एक-एक दिन करके।)

H. भजन संहिता 68:19 धन्य है प्रभु, जो प्रतिदिन हमारा बोझ उठाता है; वही हमारा उद्धारकर्ता परमेश्वर है। (सेला)

धन्य है प्रभु → जो प्रतिदिन हमारा बोझ उठाता है = वही हमारा उद्धारकर्ता परमेश्वर है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्रभु प्रतिदिन देता है। वह उसी साँस में हमारे उद्धार के परमेश्वर के नाम से पुकारा जाता है। बचाया हुआ जीवन वह जीवन है जिसे परमेश्वर एक-एक दिन करके उठाए रखता है।)

II. दिन-प्रतिदिन पवित्र आत्मा — सांत्वना देनेवाला आपको सिखाएगा

(मेरे व्यक्तिगत विचार — नींव ने पूछा था, क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया है। यह भाग दिखाता है कि उस दिन के बाद पवित्र आत्मा क्या करता है। इन आयतों में क्रियाओं को देखो, क्योंकि उनमें से हर एक कार्य एक दैनिक कार्य है, न कि एक बार का कार्य।)

A. यूहन्ना 14:26 परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और जो कुछ मैंने तुम से कहा है, वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा।” **[G1321 didasko ⚑] [G3875 parakletos ⚑]**

सहायक = पवित्र आत्मा → वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा + तुम्हें सब बातें स्मरण कराएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्र आत्मा को सांत्वना देनेवाला कहा गया है। इस नाम का अर्थ है वह जिसे तुम्हारी सहायता के लिए तुम्हारे पास बुलाया गया है। वह विश्वासी को दिन-प्रतिदिन सिखाता है, जैसे एक शिक्षक दिन-प्रतिदिन कक्षा से मिलता है।)

B. यूहन्ना 16:13 परन्तु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा, परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा। **[G3594 hodegeo ⚑]**

सत्य का आत्मा → वह तुम्हें सारे सत्य में मार्ग दिखाएगा।

C. रोमियों 8:14 इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं।

इसलिए कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं = वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक मार्गदर्शक एक बार इशारा करके नहीं छोड़ जाता। वह पूरे रास्ते घर तक आपके आगे-आगे चलता है। मार्गदर्शन पाना एक वर्तमान, प्रतिदिन की स्थिति है, न कि एक पूर्ण हो चुकी घटना।)

D. रोमियों 8:16 पवित्र आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं। **[G4828 summartureo ⚑]**

पवित्र आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है → कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस आयत में दो आत्माएँ मिलती हैं, परमेश्वर की आत्मा और तुम्हारी अपनी मानवीय आत्मा। परमेश्वर की आत्मा तुम्हारी अपनी आत्मा को बताती है कि तुम परमेश्वर की सन्तान के रूप में उसके हो। वह मौन दैनिक गवाही उस वरदान का एक भाग है जो तुमने पाया है।)

E. रोमियों 8:26 इसी रीति से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है, क्योंकि हम नहीं जानते, कि प्रार्थना किस रीति से करना चाहिए; परन्तु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर जो बयान से बाहर है, हमारे लिये विनती करता है। **[G5241 huperentugchano ⚑] [G4878 sunantilambanomai ⚑]**

आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है → हमारे लिये विनती करता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — कुछ दिनों में विश्वासी को प्रार्थना करने के लिए शब्द नहीं मिलते। परमेश्वर का आत्मा उन्हीं दिनों में विश्वासी के लिए प्रार्थना करता है। आप अपने सबसे कमज़ोर दिन में कभी अकेले नहीं चलते।)

F. गलातियों 5:16 पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे। **[G4043 peripateo ⚑]**

आत्मा के अनुसार चलो → तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे.

G. गलातियों 5:22 पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, और दया, भलाई, विश्वास **[G2590 karpos ⚑]** (23) नम्रता, और संयम हैं; ऐसे-ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।

आत्मा का फल = प्रेम + आनन्द + शान्ति + धीरज + दयालुता + भलाई + विश्वास + नम्रता + संयम।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — फल किसी पेड़ पर एक ही रात में नहीं आता। यह एक जीवित डाली पर अनेक दिनों में बढ़ता है। यहाँ बताया गया है कि उस डाली पर क्या बढ़ता है जो दाखलता से जुड़ी रहती है।)

H. गलातियों 5:25 यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी। **[G4748 stoicheo ⚑]**

यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं → तो आत्मा के अनुसार चलें भी.

I. फिलिप्पियों 2:12 इसलिए हे मेरे प्रियों, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और काँपते हुए अपने-अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ। **[G1754 energeo ⚑] [G2716 katergazomai ⚑]** (13) क्योंकि परमेश्वर ही है, जिसने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।

डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार को पूरा करो → क्योंकि परमेश्वर ही है जो तुम में इच्छा करने और करने को उत्पन्न करता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तुम अपने उद्धार को दिन-प्रतिदिन कार्यान्वित करते हो। परमेश्वर उसी समय तुम्हारे भीतर कार्य करता है। वह इच्छा और सामर्थ्य दोनों देता है।)

J. 1 कुरिन्थियों 6:19 क्या तुम नहीं जानते, कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है; जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है, और तुम अपने नहीं हो? **[G3485 naos ⚑]** (20) क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

तुम्हारी देह = वह पवित्र आत्मा का मन्दिर है जो तुम में है → तुम दाम देकर मोल लिये गए हो → इसलिये अपनी देह में परमेश्वर की महिमा करो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्राचीन समय में, मंदिर वह एकमात्र घर था जहाँ परमेश्वर की उपस्थिति बनी रहती थी। अब आपका शरीर वही घर है। पवित्र आत्मा वहाँ रहता है, किसी क्षणिक अतिथि के रूप में नहीं।)

K. यहूदा 1:20 पर हे प्रियों तुम अपने अति पवित्र विश्वास में अपनी उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए **[G2026 epoikodomeo ⚑]** (21) अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो; और अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की आशा देखते रहो।

अपने अति पवित्र विश्वास में अपने आप को बनाते हुए + पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए → अपने आप को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक राजमिस्त्री कई दिनों में, एक-एक पत्थर रखकर घर बनाता है। यहूदा चार दैनिक कार्यों का नाम लेता है, अपने अति पवित्र विश्वास पर अपने आपको उन्नति दो, पवित्र आत्मा में प्रार्थना करो, अपने आपको परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखो, और प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट जोहो। इनमें से हर एक कार्य एक साधारण दिन के भीतर समा जाता है।)

III. प्रतिज्ञा तुम्हारे और तुम्हारी सन्तान के लिये है

(मेरे व्यक्तिगत विचार — अब प्रतिज्ञा की पहुँच को मापो। यह तुम तक, तुम्हारे बच्चों तक, और उन सब तक जो दूर हैं, पहुँचती है। यह भाग प्रतिज्ञा का अनुसरण तुम्हारे अपने घर तक करता है।)

A. प्रेरितों के काम 2:39 क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।” (योए. 2:32) **[G1860 epaggelia ⚑]**

यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिये + तुम्हारी सन्तानों के लिये + उन सब के लिये है जो दूर हैं → जितनों को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पतरस ने यह उसी दिन प्रचार किया जिस दिन कलीसिया का आरम्भ हुआ। उसने जिस प्रतिज्ञा का नाम लिया वह पवित्र आत्मा का वरदान है। यह पद उस प्रतिज्ञा के भीतर तुम्हारी सन्तान का नाम लेता है, इसलिए कोई विश्वासी पिता या माता अकेले आशा नहीं रखते।)

भिन्न दृष्टिकोण, वही दृश्य — भविष्यद्वक्ता ने इसे लिखा, प्रेरित ने इसका प्रचार किया

B. योएल 2:28 “उन बातों के बाद मैं सब प्राणियों पर अपना आत्मा उण्डेलूँगा; तुम्हारे बेटे-बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी, और तुम्हारे पुरनिये स्वप्न देखेंगे, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। (प्रेरि. 2:17,21, तीतु. 3:6) **[H8210 shaphak ⚑]**

मैं अपना आत्मा सब प्राणियों पर उण्डेल दूंगा → तुम्हारे बेटे-बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी।

C. प्रेरितों के काम 2:17 ‘परमेश्वर कहता है, कि अन्त के दिनों में ऐसा होगा, कि मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उण्डेलूँगा और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यद्वाणी करेंगी, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे, और तुम्हारे वृद्ध पुरुष स्वप्न देखेंगे। **[G1632 ekcheo ⚑]**

अन्तिम दिनों में → मैं अपनी आत्मा हर एक प्राणी पर उंडेलूंगा → तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यद्वाणी करेंगी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — योएल ने लिखा, "उसके बाद"। पतरस उस पूर्णता के भीतर खड़ा था, इसलिए वह कह सका, "अन्तिम दिनों में"। दोनों वृत्तान्त पुत्रों और पुत्रियों का नाम लेते हैं, इसलिए यह प्रतिज्ञा सदैव पूरे परिवार को समेटने के लिए पर्याप्त विस्तृत थी।)

D. यशायाह 44:2 तेरा कर्ता यहोवा, जो तुझे गर्भ ही से बनाता आया और तेरी सहायता करेगा, यह कहता है: हे मेरे दास याकूब, हे मेरे चुने हुए यशूरून, मत डर! **[H2233 zera ⚑] [H3332 yatsaq ⚑]** (3) क्योंकि मैं प्यासी भूमि पर जल और सूखी भूमि पर धाराएँ बहाऊँगा; मैं तेरे वंश पर अपनी आत्मा और तेरी सन्तान पर अपनी आशीष उण्डेलूँगा। (प्रका. 21:6, योए. 2:28)

मैं अपने आत्मा को तेरे वंश पर, और अपनी आशीष को तेरी सन्तान पर उण्डेलूंगा।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पतरस के प्रचार करने से सैकड़ों वर्ष पहले, परमेश्वर ने पहले ही उन्हीं दो समूहों से उन्हीं दो बातों की प्रतिज्ञा की थी। आत्मा का उंडेला जाना, और उसे ग्रहण करने वाला बीज। जो कुछ पतरस ने कलीसिया के आरंभ में दिया, वह परमेश्वर की उस पुरानी प्रतिज्ञा का समय पर पहुंचना था।)

E. व्यवस्थाविवरण 6:6 और ये आज्ञाएँ जो मैं आज तुझको सुनाता हूँ वे तेरे मन में बनी रहें **[H8150 shanan ⚑]** (7) और तू इन्हें अपने बाल-बच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग पर चलते, लेटते, उठते, इनकी चर्चा किया करना। (इफि. 6:4)

ये वचन तेरे मन में रहें → इन्हें अपने बालकों को तन्मयता से सिखाओ + इनकी चर्चा अपने घर में करो + और मार्ग पर चलते हुए भी।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्रतिज्ञा माता-पिता के मुख के द्वारा बालकों तक पहुंचती है। मूसा उस शिक्षा के लिए समय बताता है, घर में, मार्ग में, रात को, और सवेरे। यह सूची पूरे दिन को समेटती है, इसलिए दैनिक चाल-चलन और अपने बालकों की शिक्षा एक ही जीवन है।)

F. भजन संहिता 78:4 उन्हें हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगे, परन्तु होनहार पीढ़ी के लोगों से, यहोवा का गुणानुवाद और उसकी सामर्थ्य और आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेंगे। (व्यव. 4:9, यहो. 4:6,7, इफि. 6:4) (5) उसने तो याकूब में एक चितौनी ठहराई, और इस्राएल में एक व्यवस्था चलाई, जिसके विषय उसने हमारे पितरों को आज्ञा दी, कि तुम इन्हें अपने-अपने बाल-बच्चों को बताना; (6) कि आनेवाली पीढ़ी के लोग, अर्थात् जो बच्चे उत्पन्न होनेवाले हैं, वे इन्हें जानें; और अपने-अपने बाल-बच्चों से इनका बखान करने में उद्यत हों (7) जिससे वे परमेश्वर का भरोसा रखें, परमेश्वर के बड़े कामों को भूल न जाएँ, परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन करते रहें;

उन्हें अपनी सन्तान को बताओ → जो सन्तान उत्पन्न हों वे उठकर अपनी सन्तान से उनका वर्णन करें → कि वे परमेश्वर पर अपनी आशा रखें।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस एक भजन में पीढ़ियों को गिनो। पिता अपने बच्चों को सिखाते हैं, और वे बच्चे उन बच्चों को सिखाते हैं जो अभी जन्मे भी नहीं हैं। वह सुनाना ही वह पुल है जिस पर से प्रतिज्ञा चलकर पार जाती है।)

G. नीतिवचन 22:6 लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसको चलना चाहिये, और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा। (इफि. 6:4) **[H2596 chanak ⚑]**

लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसको चलना चाहिये → और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा। (इफि. 6:4.

H. यहोशू 24:15 और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा ही की सेवा नित करूँगा।”

आज ही चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे → परन्तु मैं और मेरा घराना तो यहोवा ही की सेवा करेंगे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहोशू ने केवल अपने लिए उत्तर नहीं दिया। उसने अपने पूरे घराने को अपने निर्णय में सम्मिलित कर लिया। एक पिता या एक माता आज भी उसी स्थान पर खड़े होकर, अपने ही द्वार पर वही वाक्य कह सकते हैं।)

I. प्रेरितों के काम 10:1 कैसरिया में कुरनेलियुस नामक एक मनुष्य था, जो इतालियानी नाम सैन्य-दल का सूबेदार था। (2) वह भक्त था, और अपने सारे घराने समेत परमेश्वर से डरता था, और यहूदी लोगों को बहुत दान देता, और बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करता था।

कुरनेलियुस → अपने सारे घराने के साथ परमेश्वर से डरता था + सदा परमेश्वर से प्रार्थना करता था।

J. प्रेरितों के काम 16:34 और उसने उन्हें अपने घर में ले जाकर, उनके आगे भोजन रखा और सारे घराने समेत परमेश्वर पर विश्वास करके आनन्द किया।

वह आनन्दित हुआ → अपने सारे घराने समेत परमेश्वर पर विश्वास करके।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — फाउंडेशन ने इस व्यक्ति की कहानी उसके बपतिस्मे तक, आधी रात के समय, सुनाई थी। यह उसी रात का अगला पद है। सूर्योदय से पहले सारा घराना विश्वास करके साथ में आनन्दित हुआ।)

K. प्रेरितों के काम 18:8 तब आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस ने अपने सारे घराने समेत प्रभु पर विश्वास किया; और बहुत से कुरिन्थवासियों ने सुनकर विश्वास किया और बपतिस्मा लिया।

क्रिस्पुस ने अपने सारे घराने के साथ प्रभु पर विश्वास किया → सुनकर बहुतों ने विश्वास किया, और बपतिस्मा लिया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन तीन अभिलेखों में घरों को गिनो, कुरनेलियुस का घर, दरोगा का घर, और क्रिस्पुस का घर। परमेश्वर एक-एक व्यक्ति को बचाता है, और वह सम्पूर्ण घरों को भी इकट्ठा करता है। अपने ही घर को उस पंक्ति में रखो।)

L. 2 तीमुथियुस 1:5 और मुझे तेरे उस निष्कपट विश्वास की सुधि आती है, जो पहले तेरी नानी लोइस, और तेरी माता यूनीके में थी, और मुझे निश्चय हुआ है, कि तुझ में भी है। **[G505 anupokritos ⚑]**

निष्कपट विश्वास → जो पहले तेरी नानी लोइस, और तेरी माता यूनीके में बसा था → तुझ में भी है।

M. 2 तीमुथियुस 3:14 पर तू इन बातों पर जो तूने सीखी हैं और विश्वास किया था, यह जानकर दृढ़ बना रह; कि तूने उन्हें किन लोगों से सीखा है **[G3306 meno ⚑]** (15) और बालकपन से पवित्रशास्त्र तेरा जाना हुआ है, जो तुझे मसीह पर विश्वास करने से उद्धार प्राप्त करने के लिये बुद्धिमान बना सकता है।

जो बातें तूने सीखी हैं उन में बना रह → बचपन से ही तू पवित्रशास्त्र को जानता है → जो उद्धार के लिये बुद्धिमान बनाता है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए कि विश्वास कैसे दादी लोइस से, माता यूनीके से होते हुए बालक तीमुथियुस तक पहुंचा। ध्यान दीजिए पौलुस ने वह कौन सा शब्द चुना जब उसने तीमुथियुस से बने रहने को कहा। यह वही यूनानी शब्द है जो नींव (फाउंडेशन) में दाखलता से जुड़े रहने के लिए सिखाया गया था।)

दो के मुख

व्यवस्थाविवरण 7:9 इसलिए जान ले कि तेरा परमेश्वर यहोवा ही परमेश्वर है, वह विश्वासयोग्य परमेश्वर है; जो उससे प्रेम रखते और उसकी आज्ञाएँ मानते हैं उनके साथ वह हजार पीढ़ी तक अपनी वाचा का पालन करता, और उन पर करुणा करता रहता है; **[H1755 dor ⚑]**

विश्वासयोग्य परमेश्वर → वाचा और करुणा का पालन करता है → हजार पीढ़ियों तक।

भजन संहिता 103:17 परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग, और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता रहता है, (लूका 1:50) **[H2617 chesed ⚑]** (18) अर्थात् उन पर जो उसकी वाचा का पालन करते और उसके उपदेशों को स्मरण करके उन पर चलते हैं।

परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग → और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता रहता है.

यशायाह 59:21 यहोवा यह कहता है, “जो वाचा मैंने उनसे बाँधी है वह यह है, कि मेरा आत्मा तुझ पर ठहरा है, और अपने वचन जो मैंने तेरे मुँह में डाले हैं अब से लेकर सर्वदा तक वे तेरे मुँह से, और तेरे पुत्रों और पोतों के मुँह से भी कभी न हटेंगे।” (इब्रा. 10:16, रोम. 11:27) **[H1285 berith ⚑]**

मेरी आत्मा + मेरे वचन → न तेरे मुख से, न तेरे वंश के मुख से, न तेरे वंश के वंश के मुख से दूर होंगे → अब से लेकर सर्वदा तक।

2 कुरिन्थियों 13:1 अब तीसरी बार तुम्हारे पास आता हूँ: दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15) **[G3144 martus ⚑]**

दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जाएगी। (व्यव. 19:15.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — तीन गवाह इस प्रतिज्ञा को एक जीवनकाल से आगे तक फैलाते हैं। मूसा कहता है, "हजार पीढ़ियों तक", दाऊद कहता है, "बच्चों के बच्चों तक", और यशायाह उन शब्दों को तेरे वंश के वंश के मुख तक, सर्वदा के लिये ले जाता है। दो या तीन गवाहों के मुख से बात स्थिर ठहरती है।)

छाया और पूर्णता

(मेरे व्यक्तिगत विचार — भूमि पर पड़ी परछाई का एक वास्तविक आकार होता है, परन्तु वह आकार अकेला तुम्हें नहीं बता सकता कि वह किस वस्तु की है, जब तक प्रकाश तुम्हें वह वस्तु स्वयं न दिखाए। पुराने नियम के चित्र वास्तविक परछाइयाँ हैं जो एक वास्तविक देह से पड़ती हैं, और वह देह मसीह की है, यद्यपि परछाई उस वस्तु की ठीक प्रतिमूर्ति नहीं होती (कुलुस्सियों 2:17, इब्रानियों 10:1)। इसलिए हम कभी भी केवल परछाई पर शिक्षा नहीं बनाते, और हम किसी वस्तु को परछाई तभी कहते हैं जब नए नियम के प्रकाश ने हमें वह देह दिखाई हो जिसने उसे डाला।)

Shadow निर्गमन 16:4 तब यहोवा ने मूसा से कहा, "देखो, मैं तुम लोगों के लिये आकाश से भोजनवस्तु बरसाऊँगा; और ये लोग प्रतिदिन बाहर जाकर प्रतिदिन का भोजन इकट्ठा करेंगे, इससे मैं उनकी परीक्षा करूँगा, कि ये मेरी व्यवस्था पर चलेंगे कि नहीं। **[H4305 matar ⚑]**

स्वर्ग से रोटी → प्रत्येक दिन एक नियत मात्रा इकट्ठा करना → कि क्या वे मेरी व्यवस्था पर चलेंगे, या नहीं।

Shadow निर्गमन 16:21 वे भोर को प्रतिदिन अपने-अपने खाने के योग्य बटोर लेते थे, और जब धूप कड़ी होती थी, तब वह गल जाता था। **[H1242 boqer ⚑]**

वे प्रति भोर को उसे बटोरते थे + हर एक अपने खाने के अनुसार।

Fulfillment यूहन्ना 6:32 यीशु ने उनसे कहा, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ कि मूसा ने तुम्हें वह रोटी स्वर्ग से न दी, परन्तु मेरा पिता तुम्हें सच्ची रोटी स्वर्ग से देता है। (33) क्योंकि परमेश्वर की रोटी वही है, जो स्वर्ग से उतरकर जगत को जीवन देती है।"

मेरा पिता तुम्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी देता है → जगत को जीवन देता है।

Fulfillment यूहन्ना 6:35 यीशु ने उनसे कहा, "जीवन की रोटी मैं हूँ: जो मेरे पास आएगा वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा। **[G740 artos ⚑]**

जीवन की रोटी मैं हूँ → जो मेरे पास आएगा वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — प्राचीन समय में, इस्राएल प्रतिदिन सुबह-सुबह आकाश से रोटी बटोरता था, जो एक दिन के लिए पर्याप्त भाग होता था। वह दैनिक रोटी परछाई थी, और यीशु वह देह है जिसने उसे डाला, वह जीवन की रोटी है जो स्वयं विश्वासी के जीवन को पोषण देता और बनाए रखता है। इसलिए प्रतिदिन सुबह उसका अपना भाग ग्रहण करो, प्रतिदिन वचन पढ़ो, प्रतिदिन प्रार्थना करो, और प्रतिदिन बने रहो।)

समापन

भजन संहिता 102:28 तेरे दासों की सन्तान बनी रहेगी; और उनका वंश तेरे सामने स्थिर रहेगा। **[H3559 kun ⚑] [H7931 shakan ⚑]**

तेरे दासों की सन्तान बनी रहेगी + और उनका वंश तेरे सामने स्थिर रहेगा.

1 थिस्सलुनीकियों 5:23 शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे; तुम्हारी आत्मा, प्राण और देह हमारे प्रभु यीशु मसीह के आने तक पूरे और निर्दोष सुरक्षित रहें। **[G4103 pistos ⚑] [G37 hagiazo ⚑]** (24) तुम्हारा बुलानेवाला विश्वासयोग्य है, और वह ऐसा ही करेगा।

शान्ति का परमेश्वर आप ही तुम्हें पूरी रीति से पवित्र करे → तुम्हारा बुलानेवाला विश्वासयोग्य है, और वह ऐसा ही करेगा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इस अध्ययन ने वह जीवन दिखाया जो उत्तर के बाद आता है, वह दैनिक चाल, पवित्र आत्मा का दैनिक कार्य, और वह प्रतिज्ञा जो तुम्हारी संतान और तुम्हारे सारे घराने तक पहुँचती है। परमेश्वर तुमसे यह नहीं माँगता कि तुम आज ही पूरी यात्रा समाप्त कर दो। वह तुमसे माँगता है कि तुम आज उसके साथ चलो, और जो परमेश्वर तुम्हें बुलाता है, वह उसे पूरा करने में विश्वासयोग्य है।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. प्रेरितों के काम 2:47 — और प्रभु कलीसिया में प्रतिदिन मिलाता गया:
- a) आनन्द और मन की सिधाई के साथ
- b) जो उद्धार पाने वाले थे
- c) जिन्होंने आनन्द से उसका वचन ग्रहण किया

2. लूका 9:23 — यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो अपने आप का इन्कार करे, और:
- a) प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले
- b) अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले
- c) जो कुछ तेरे पास है, उसे बेचकर कंगालों को दे दे

3. यूहन्ना 14:26 — परन्तु सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा, जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह:
- a) तुम्हें सब सत्य में मार्गदर्शन देगा
- b) जगत को पाप के विषय में दोषी ठहराए
- c) तुम्हें सब बातें सिखाएगा

4. रोमियों 8:26 — क्योंकि हम नहीं जानते कि हमें किस रीति से प्रार्थना करनी चाहिये जैसी करनी चाहिए; परन्तु आत्मा स्वयं:
- a) हमारी दुर्बलताओं में सहायता करता है
- ख) हमारे लिये ऐसी आहें भरते हुए बिनती करता है जो बयान नहीं हो सकतीं
- c) हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है

5. प्रेरितों के काम 2:39 — क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिये, और तुम्हारे बालक बच्चों के लिये है, और:
- a) हजार पीढ़ियों तक

b) इस्राएल के सारे घराने के लिये
c) उन सब के लिए जो दूर हैं

6. व्यवस्थाविवरण 6:7 — और तू उन्हें अपने बालकों को तत्परता से सिखाना, और उनकी चर्चा करना:
a) जब तू अपने घर में बैठे
b) जब तू उठे
c) जब तू मार्ग में चले

7. यशायाह 59:21 — मेरा आत्मा जो तुझ पर है, और मेरे वचन जो मैंने तेरे मुँह में डाले हैं, वे तेरे मुँह से और तेरे वंश के मुँह से,
a) पीढ़ी से पीढ़ी तक
b) और न तेरे वंश के वंश के मुख से
c) पीढ़ी से पीढ़ी तक

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-b, 5-c, 6-a, 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

→ छाया किस प्रकार प्रकाश लाती है: इस्राएल प्रतिदिन प्रातःकाल आकाश से रोटी बटोरता था (निर्गमन 16:21)। यीशु स्वर्ग से आई हुई सच्ची रोटी है, और यूहन्ना अध्याय 6 का सम्पूर्ण भाग इस चित्र को व्यापक रूप से खोलता है (यूहन्ना 6:32-35), जो अपने ही अध्ययन के लिए तैयार है।

→ नया नियम इसे कैसे स्पष्ट करता है: मूसा ने माता-पिता से कहा कि वे अपनी संतान को परिश्रमपूर्वक वचन सिखाएं (व्यवस्थाविवरण 6:7)। नया नियम एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों को एक ही विश्वास रखते हुए दिखाता है, लोइस, यूनीके, और तीमुथियुस (2 तीमुथियुस 1:5)।

→ शब्द कैसे मायने रखते हैं: 2 तीमुथियुस 3:14 में बने रहने के लिए प्रयुक्त वही यूनानी शब्द है जो यूहन्ना के सुसमाचार में दाखलता से जुड़े रहने के लिए प्रयुक्त होता है। जिस बच्चे को आरंभ में ही पवित्रशास्त्र सिखाया जाता है, वह वहाँ रोपा जाता है जहाँ वह बना रह सके।

→ यह यहूदी और अन्यजाति दोनों के लिए कैसे है: प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए, तुम्हारी सन्तान के लिए, और उन सब के लिए है जो दूर हैं (प्रेरितों 2:39)। अन्यजाति कुरनेलियुस अपने सारे घराने सहित परमेश्वर से डरता था (प्रेरितों 10:2), और वचन सुनने वाले सब लोगों पर पवित्र आत्मा उतर आया (प्रेरितों 10:44)।

→ यह आप पर कैसे लागू होता है: सांत्वना देनेवाला आपको सिखाता है और यीशु के वचन आपकी स्मृति में वापस लाता है (यूहन्ना 14:26)। परमेश्वर का आत्मा जो प्रतिदिन सिखाता है, उसी के अनुसार प्रतिदिन चलिए (गलातियों 5:25)।

→ यह अनन्तकाल तक कैसे पहुंचता है: यहोवा की करुणा अनादिकाल से अनन्तकाल तक है, और उसका धर्म पीढ़ी दर पीढ़ी बना रहता है (भजन संहिता 103:17)। परमेश्वर के सेवकों की सन्तान बनी रहेगी, और उनका वंश परमेश्वर के सम्मुख स्थिर रहेगा (भजन संहिता 102:28)।

→ पगडंडी विषयांतर: आत्मा हमारे लिये भीतर से विनती करती है (रोमियों 8:26), और मसीह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर हमारे लिये विनती करता है (रोमियों 8:34)। एक विश्वासी के लिये दो मध्यस्थ, एक भीतर और एक ऊपर, अपने ही अध्ययन के लिये तैयार।

→ संभावित प्रकाशन: परमेश्वर ने प्रतिदिन एक नियत मात्रा में रोटी दी, ताकि यह परखा जाए कि लोग उसकी व्यवस्था के अनुसार चलेंगे या नहीं (निर्गमन 16:4)। दैनिक भाग स्वयं ही उस चाल की परीक्षा थी। प्रभु आज भी प्रतिदिन देता है, ताकि उसके लोग प्रतिदिन उसके पीछे चलें (लूका 9:23)।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.

Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).

Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).

Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).

© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).